हरिभूमि

सीहोर भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, गुरुवार 8 अक्टूबर 2026

सीहोर | भैरुंदा | रेहटी | इछावर | कोठरी | श्यामपुर | शाहगंज | कालापीपल | जावर

04 11 केवी व एलटी लाइन में दौड़ रहा था करंट, बस में सवार थे...



07 बिना किसी वैध डिग्री के मेडिकल स्टोरों की आड़ में मरीजों की...



खबर संक्षेप

9 अक्टूबर को बरखेड़ा हसन में शिविर

सीहोर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत 9 अक्टूबर को सीहोर विकासखंड के ग्राम बरखेड़ा हसन में शिविर एवं भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शिविर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के साथ आमजन की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन और आमजन के बीच विश्वास को और मजबूत करना, पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाना तथा ग्रामीणों की समस्याओं और शिकायतों का मौके पर समाधान सुनिश्चित करना है। अभियान के दौरान अधिकारी गांवों का भ्रमण कर विकास कार्यों एवं योजनाओं की स्थिति का भी जायजा लेंगे। कलेक्टर बालागुरू के. ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित समय पर शिविर स्थल पर पहुंचकर विभागीय योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दें। उन्होंने पात्र हितग्राहियों को अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ दिलाने तथा प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का शिविर में ही यथासंभव निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्रसव काल में सुरक्षित ठिकाने की तलाश, अपनी 'टेरिटरी' से भटकी गर्भवती बाघिन !

बच्चों को जन्म देने महफूज जगह ढूंढ रही 5 दिनों में 3 बार कॉलोनियों में दी दस्तक

अवधपुरी से देर रात थूनाखुर्द पहुंची, 4 विशेष टीमों के साथ 24 घंटे ड्रोन कैमरों से गश्त जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



शहर और आसपास के इलाकों में बीते पांच दिनों से फैली बाघ की दहशत के पीछे एक बेहद भावुक और चौंकाने वाला पहलू सामने आ रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शहर के रिहायशी इलाकों में घूम रही यह कोई साधारण बाघ नहीं, बल्कि एक गर्भवती बाघिन है, जो अपने प्रसव काल में है। वह अपनी पुरानी 'टेरिटरी' क्षेत्र से भटक गई है और आने वाले नवजात शावकों की सुरक्षा के लिए किसी शांत व सुरक्षित ठिकाने की तलाश में दर-दर भटकते हुए अनजाने में शहरी सीमा में आ पहुंची है।

हालांकि वन विभाग पंजों के निशान के आधार पर बाघ की मौजूदगी का पुख्ता दावा तो कर रहा है, लेकिन आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं कर रहा है कि वह नर बाघ है या मादा बाघिन। वहीं सूत्रों की मानें तो यह बाघिन ही है, जो कुनबा बढ़ाने के लिए एक सुरक्षित जगह की खोज में है और इसी हड़बड़ाहट में कॉलोनियों में दाखिल हो रही है।

अवधपुरी से पहुंची थूनाखुर्द

बता दें मंगलवार सुबह अवधपुरी स्थित पानी की टंकी के पास की घटना ने पूरे शहर के रोंगटे खड़े कर दिए। क्षेत्र की निवासी सीता बाई ने उस खौफनाक मंजर को बयां करते हुए बताया सुबह करीब 6 बजे मैं आंगन में झाड़ लगा रही थी, तभी हमारा कुत्ता जोर-जोर से भोंकने लगा। मुड़कर देखा तो होश उड़ गए एक विशालकाय बाघ घर के आगे वाले दरवाजे से अंदर दाखिल हो रहा था, वह कुत्ते को खदेड़ते हुए पीछे के दरवाजे की तरफ भागा और मुझसे महज दो कदम दूर से निकल गया।

5 दिनों में 3 जगह दस्तक

शहर में बाघिन की मौजूदगी लगातार बदल रही है। 6 दिन पहले मुख्यालय के पास स्थित जहांगीरपुरा गांव में हलचल देखी गई। 4 दिन पहले दशहरा बाग इलाके में मौजूदगी दर्ज की गई। मंगलवार को अवधपुरी और मुरली इलाके में दाखिल हुई। मंगलवार देर रात थूनाखुर्द गांव में देखे जाने की खबर से हड़कंप मच गया।

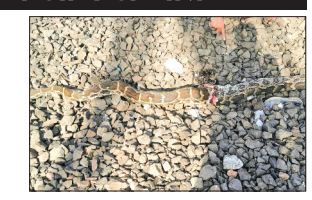
4 टीमें और ड्रोन से निगरानी

बाघिन की मूवमेंट को देखते हुए वन विभाग ने 24 घंटे का हाई-अलर्ट कॉम्बिंग ऑपरेशन शुरू किया है। सर्चिंग के लिए 4 टीमें बनाई गई हैं, जो 6-6 घंटे की शिफ्ट में लगातार गश्त कर रही हैं। इन टीमों के ठीक पीछे वन अमला और वरिष्ठ अधिकारी चल रहे हैं ताकि लोकेशन मिलते ही तुरंत घेराबंदी की जा सके। खेतों और झाड़ियों में छिपने की आशंका को देखते हुए ड्रोन से निगरानी रखी जा रही है। वन अमला छोटी-बड़ी सूचना पर तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच कर रहा है। प्रशासन ने नागरिकों को रात के समय सतर्क रहने और अकेले सुनसान इलाकों में न जाने की सलाह दी है।

रातापानी से भटककर बुधनी रेलवे स्टेशन पहुंचा विशालकाय अजगर

ट्रेन की चपेट में आने से मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



रातापानी अभ्यारण्य और उससे सटे घने जंगलों के बीच से गुजरने वाली रेल पटरियां एक बार फिर बेजुबान वन्यजीव के लिए काल साबित हुईं। बुधवार सुबह बुधनी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 के पास एक विशालकाय अजगर ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे ने एक बार फिर जंगल से सटे रेल मार्गों पर वन्यजीवों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वन विभाग के अनुमान के मुताबिक बुधनी का पूरा इलाका रातापानी वन परिक्षेत्र से घिरा हुआ है। आशंका है कि यह अजगर भोजन या सुरक्षित ठिकाने की तलाश में जंगल से निकलकर आबादी वाले स्टेशन क्षेत्र तक आ पहुंचा था।

सुबह के समय जब वह प्लेटफॉर्म नंबर 2 के करीब पटरी पार कर रहा था, उसी दौरान वहां से गुजरी एक तेज रफ्तार ट्रेन के पहियों के नीचे आ गया। घटना के समय स्टेशन पर यात्रियों और स्थानीय लोगों की आवाजाही जारी थी। जैसे ही लोगों की नजर पटरियों पर पड़े मृत अजगर पर पड़ी, स्टेशन परिसर में सनसनी फैल गई। अजगर की विशालकाय लंबाई और आकार को देखने के लिए देखते ही देखते लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। इस दौरान कई यात्रियों ने इस मंजर को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया।

वन विभाग ने कराया पोस्टमार्टम

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे स्टेशन स्टाफ ने वन विभाग को सूचित किया। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पटरी से अजगर के शव को हटाकर ट्रैक को साफ कराया। अधिकारियों ने घटनास्थल पर पंचनामा तैयार किया है। पशु चिकित्सक से पोस्टमार्टम कराने के बाद वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तय मानकों और दिशा-निर्देशों के तहत अजगर का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

पटरियों पर लगातार बना रहता है खतरा

बता दें बुधनी और आसपास का इलाका रातापानी टाइगर रिजर्व और सघन वन परिक्षेत्र से सटा हुआ है। यहां तेंदुए, अजगर, हिरण, भालू और अन्य वन्यजीवों की लगातार मौजूदगी रहती है। भोजन और पानी की तलाश में ये जीव अक्सर रेल पटरियों या मानवीय बस्तियों की ओर रुख कर लेते हैं। यही कारण है कि वह हादसे का शिकार हो जाते हैं।

आखिरकार टूट ही गया मंडीवासियों के सब्र का बांध, थाने से 300 मीटर दूर सड़क पर उतरे लोग, लगाया चक्काजाम

विधायक सुदेश राय और नपा अध्यक्ष प्रिंस राठौर के मौके पर पहुंचते ही शुरू हुआ सुधार कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



मंडी क्षेत्र की जर्जर सड़क, जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढों और दिन भर उड़ती धूल से परेशान मंडीवासियों के सब्र का बांध आखिरकार बुधवार को टूट गया। पिछले दिनों आंदोलन का फैसला टालने के बाद भी जब हालात नहीं बदले और आश्वासन का समय बीत गया, तो गुस्साए नागरिकों और व्यापारियों ने मंडी थाने से महज 300 मीटर की दूरी पर सड़क पर उतरकर चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शन शुरू होते ही सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। बता दें यह कोई आम रास्ता नहीं है, बल्कि सीहोर को सीधे श्यामपुर, कुरावर, नरसिंहगढ़, ब्यावरा, राजगढ़ होते हुए जयपुर और भोपाल से जोडऩे वाला मुख्य मार्ग है। इस सड़क से हर दिन 1 लाख से अधिक लोग गुजरते हैं। सीहोर से श्यामपुर के बीच ही रोजाना 30 से ज्यादा बसें चलती हैं। करीब 2 साल पहले लगभग 29 करोड़ रुपये की लागत से एफडीआर पद्धति से सीहोर से श्यामपुर तक सड़क बनाई गई थी। इसमें से 24 किलोमीटर सड़क एमपीआरडीसी ने और बाकी हिस्सा पीडब्ल्यूडी ने बनाया था।

बीमारियों की चपेट में लोग

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इतने भारी बजट के बाद भी घटिया निर्माण के कारण सड़क पहले ही साल में उखड़ गई। गिट्टियां बाहर निकल आई हैं और उड़ती धूल के कारण लोग सांस और गले की बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। दोपहिया वाहन चालक फिसलकर चोटिल हो रहे हैं और दुकानों में रखा सामान धूल से खराब हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क अभी गारंटी पीरियड में है, इसलिए जिम्मेदार निर्माण एजेंसियों और ठेकेदारों पर कड़ा एक्शन होना चाहिए।

रोकने पर भी नहीं माने लोग

गौरतलब है कि बुधवार को जैसे ही चक्काजाम की खबर मिली, पुलिस बल मौके पर पहुंचा और रास्ता खुलवाने की कोशिश की, लेकिन आक्रोशित लोग काम शुरू होने की जिद पर अड़े रहे। नतीजतन सडक़ के दोनों और वाहनों की लंबी-लंबी कतार लग गई।

विधायक व नपा अध्यक्ष पहुंचे मौके पर, शुरू हुआ काम

हालात बिगड़ते देख विधायक सुदेश राय और नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस विकास राठौर तुरंत मौके पर पहुंचे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने धरने पर बैठे लोगों से सीधी बात की और उनकी समस्या को गंभीरता से सुना। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा जनता हमारी है और उसकी परेशानी हमारी अपनी समस्या है। सड़क भले ही किसी अन्य विभाग ने बनाई हो, पर जब जनता हमारे पास आती है तो समाधान करना हमारा फर्ज है। सिर्फ घोषणा करना नहीं, बल्कि जमीन पर काम उतारना हमारी प्राथमिकता है।

मैं खुद धरने पर बैठूंगा: विधायक



धरने पर बैठे क्षेत्रवासियों से चर्चा करते हुए विधायक सुदेश राय ने कहा कि सड़क पर चक्काजाम न कीजिए, स्कूल की छुट्टी हो रही है, बच्चे निकल रहे हैं, एंबुलेंस आदि निकलेंगे, लोग परेशान होंगे। आप धरने से उठा जाएं, मैं कह रहा हूं कि आधे घंटे के अंदर काम शुरू होगा, यदि नहीं होता तो मैं खुद आपके साथ धरने पर बैठूंगा। नतीजतन वादे के मुताबिक महज मौके पर डामर की गाड़ी और गिट्टी-मटीरियल आ पहुंचा और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में ही सड़क का पैच रिपेयर वर्क शुरू करा दिया गया। तुरंत काम चालू होता देख नागरिकों ने राहत की सांस ली।

खेत में खेल रहे बच्चों ने खाए रतनजोत के बीज, बेसुध हुए तो मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



खेत में सोयाबीन की कटाई चल रही थी और पास ही खेल रहे मासूम बच्चों को शायद अंदाजा भी नहीं था कि कुछ कदमों की दूरी पर मौजूद पौधे के बीज उनकी जान पर भारी पड़ सकते हैं।

मुख्तार नगर गांव में खेलते समय छह बच्चों ने गलती से रतनजोत के जहरीले बीज खा लिए। बीज खाने के कुछ ही समय बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी और देखते ही देखते वे बेसुध होने लगे। एक साथ छह बच्चों के बीमार पड़ने से परिवारों में चीख-पुकार मच गई और उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। जानकारी के अनुसार मुख्तार नगर गांव में किसान इन दिनों सोयाबीन की कटाई में जुटे हुए हैं। इसी दौरान किसान परिवारों के बच्चे खेत के आसपास खेल रहे थे। खेलते-खेलते बच्चों ने रतनजोत के फल के बीज खा लिए। शुरुआत में परिजनों को इसकी जानकारी नहीं थी, लेकिन बच्चों की हालत बिगड़ने के बाद पूरे मामले का पता चला। रतनजोत के बीज खाने के बाद बच्चों में अचानक तबीयत खराब होने के लक्षण दिखाई देने लगे। कुछ बच्चों की हालत इतनी बिगड़ गई कि वे बेसुध जैसे हो गए। छह बच्चों को इस हालत में देखकर परिजन घबरा गए और बिना देर किए उन्हें श्यामपुर स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। श्यामपुर स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने बच्चों का तत्काल प्राथमिक उपचार शुरू किया। लेकिन बच्चों की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें आगे के उपचार के लिए सीहोर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन बच्चों को लेकर सीहोर पहुंचे, जहां उनका उपचार शुरू किया गया। सीहोर जिला अस्पताल में छहों बच्चों का चिकित्सकीय निगरानी में उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार कुछ बच्चों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है, जबकि कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। अस्पताल प्रशासन की टीम बच्चों की लगातार निगरानी कर रही है।

एक ही गांव के छह बच्चों के जहरीले बीज खाने से बीमार होने की घटना के बाद गांव में हड़कंप की स्थिति है। खेतों में मौजूद ऐसे पौधों और जहरीले बीजों को लेकर बच्चों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। खासकर फसल कटाई के दौरान खेतों में बच्चों की मौजूदगी को लेकर अभिभावकों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत सामने आई है। सिविल सर्जन यूके श्रीवास्तव ने बताया कि रतनजोत के बीज खाने के बाद छह बच्चों को अस्पताल लाया गया है। सभी का जिला अस्पताल में उपचार जारी है और चिकित्सकीय टीम उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

जमशेद नगर में पुल का होगा निर्माण



सीहोर। वार्ड 31 के जमशेद नगर में पुल निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों को लेकर वार्डवासियों ने नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर से मुलाकात कर ज्ञापन एवं आवेदन प्रस्तुत किया।

नागरिकों ने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं से अवगत कराते हुए पुल निर्माण के साथ सड़क, नाली, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक विकास कार्य शीघ्र कराने की मांग रखी। वार्डवासियों की मांग को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जमशेद नगर में करीब 5 मीटर चौड़े नए पुल का नए सिरे से निर्माण कराने के लिए शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही वार्ड में सड़क, नाली, स्वच्छता सहित अन्य विकास कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कराने का आश्वासन दिया।

चारों विधानसभा के लिए रवाना हुई सेवा ज्योति संकल्प यात्रा



हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होने पर जिला स्तरीय सेवा ज्योति संकल्प यात्रा का आयोजन पूरे देश में हो रहा है। इसी तरह सीहोर के आवासीय खेलकूद संस्थान में भी इस यात्रा का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी प्रितेश राठौर ने बताया कि इस यात्रा में चारों विधानसभा से हजारों की संख्या में युवा जन शामिल हुए। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य युवाओं को 2047 तक विकसित भारत के संकल्प में अपने योगदान हेतु प्रेरित करना है।

कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली अपने उद्बोधन में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना श्रेष्ठ योगदान देना है। हमें हमने इस देश में जन्म लिया है। माँ भारती की गोद में पलने-बढ़ने का सौभाग्य हमें मिला है। कार्यक्रम को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा भी संबोधित किया गया। संबोधन के उपरांत सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर चारों विधानसभा सीहोर, आष्टा, इछावर, बुधनी के लिए यात्रा रथ को रवाना किया गया। उपस्थित नागरिकों ने देश को विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका निभाने तथा सेवा और समर्पण की भावना के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया।इस कार्यक्रम में राजस्व मंत्री करणसिंह वर्मा, जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, जिला प्रभारी विकास विरानी, विधायक सुदेश राय, विधायक गोपाल इंजीनियर, पिछड़ा वर्ग वित्त विकास निगम अध्यक्ष रवि मालवीय, आदिवासी वित्त विकास निगम निर्मला बारेला, जिला पंचायत अध्यक्ष रचना सुरेंद्र मेवाड़ा, जिंप उपाध्यक्ष जीवन सिंह मंडलोई, नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी गण, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

लोन दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी, ग्रामीणों ने घेराबंदी कर पुलिस के हवाले किया

4 लाख हड़पने वाले आरोपी को ग्रामीणों ने घेराबंदी कर पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



जिले के इछावर तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम रूपादा में सीधे-सादे ग्रामीणों को बैंक से आसान लोन दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से लोन स्वीकृत कराने का सपना दिखाकर एक शातिर जालसाज ने कई ग्रामीणों की गाढ़ी कमाई ऐंठ ली। जब लोन नहीं मिला और आरोपी ने फोन बंद कर टालमटोल शुरू कर दिया, तब ग्रामीणों ने हिम्मत और सूझबूझ का परिचय दिया। पीड़ितों ने बाकी बची रकम देने का जाल बिछाकर आरोपी को तहसील परिसर में बुलाया और घेराबंदी कर उसे सीधे पुलिस के हवाले कर दिया।

जानकारी के अनुसार, ग्राम रूपादा निवासी सुरेश, मुन्ना, बलराम, गोविंद, राजमल और मुकेश सहित करीब सात ग्रामीणों को अपनी खेती-किसानी, घरेलू आवश्यकताओं तथा गाय-भैंस खरीदने के लिए लोन की सख्त आवश्यकता थी। इसी दौरान ग्रामीणों का संपर्क भंवरा निवासी पिंटू परमार से हुआ। आरोपी ने खुद को बैंक से मजबूत सांठगांठ होने का दावा किया और ग्रामीणों को आसानी से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से लोन पास कराने का भरोसा दिया। शातिर आरोपी ने प्रत्येक आवेदक को 6 लाख का लोन स्वीकृत कराने का झांसा दिया। उसने ग्रामीणों को बताया कि फाइल चार्ज और मॉर्गेज फीस के नाम पर कुल 7 लाख रुपये का खर्च आएगा। सरकारी बैंक से बड़ा लोन मिलने की उम्मीद में भोले-भाले ग्रामीण उसके बहकावे में आ गए। पीड़ितों ने अपनी जमा-पूंजी और उधार लेकर प्रति व्यक्ति 54-54 हजार रुपये के हिसाब से दो किस्तों में करीब 4 लाख रुपये नकद आरोपी पिंटू परमार को सौंप दिए।

मोटी रकम ऐंठने के बाद जब काफी दिन बीत गए और बैंक से लोन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी, तो ग्रामीणों ने आरोपी से संपर्क साधना शुरू किया। शुरू में आरोपी कागजी कार्रवाई चलने और आज-कल में लोन स्वीकृत होने का बहाना बनाता रहा। कुछ समय बाद जब ग्रामीणों ने अपने दिए हुए 54-54 हजार रुपये वापस मांगने का दबाव बनाया, तो आरोपी साफ मुकर गया। उसने पीड़ितों से दो-टूक कह दिया कि लोन नहीं हो रहा है और न ही वह पैसे वापस करेगा। इसके बाद आरोपी ने ग्रामीणों के फोन कॉल उठाना बंद कर दिया और अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर लिया। लगातार फोन बंद आने और ठगी का अहसास होने पर ग्रामीणों ने हार मानने के बजाय रणनीति बनाई। पीड़ितों ने किसी अन्य माध्यम से आरोपी से संपर्क साधा और उसे झांसा दिया कि वे बाकी बचे 3 लाख रुपये देने के लिए तैयार हैं, वह आकर पैसे ले जाए। पैसों के लालच में आरोपी पिंटू परमार इछावर तहसील परिसर में पहुंच गया। वहां पहले से ही मौजूद ग्रामीणों ने उसे चारों तरफ से घेर लिया। ग्रामीणों ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम को ग्रामीणों ने आरोपी सुपुर्द कर दिया। पीड़ित ग्रामीणों ने इछावर थाने में लिखित आवेदन सौंपते हुए आरोपी पिंटू परमार के खिलाफ सख्त धाराओं में धोखाधड़ी की प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि वे गरीब परिवार से आते हैं और उन्होंने मवेशी खरीदने के लिए ब्याज पर पैसे जुटाकर आरोपी को दिए थे। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से उनकी ठगी गई 4 लाख रुपये की पूरी राशि वापस दिलाए जाने की गुहार लगाई है। थाना प्रभारी रामबाबू राठौर ने बताया कि अभी मैं अवकाश पर हूं। मामले की पूरी जानकारी संबंधित अधिकारियों से लेकर शीघ्र ही वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

खबर संक्षेप

40 गांवों में जल प्रदाय रहेगा प्रभावित

सीहोर। मध्यप्रदेश जल निगम परियोजना क्रियान्वयन इकाई सीहोर अंतर्गत मरदानपुर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत आने वाले 40 गांवों में 8 अक्टूबर को पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। प्राप्त जानकारी अनुसार विद्युत विभाग द्वारा 7 अक्टूबर को 33 केवी कांकड़िया लाइन के मेंटेनेंस कार्य के कारण प्रातः 11 बजे से विद्युत आपूर्ति बंद की गई। इसके चलते मरदानपुर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना की कांकड़िया आईपीएस से जुड़े 40 टंकियों में जल प्रदाय नहीं हो सका। मेंटेनेंस कार्य के कारण संबंधित गांवों को पेयजल प्रदाय प्रभावित रहेगा।

एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

सीहोर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत वर्ष 2026-27 में संचालित गैर-संचारी रोग (एनसीडी) कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जिला कार्यालय में एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार डहेरिया की उपस्थिति में हुआ। प्रशिक्षण में जिले के समस्त विकासखंडों के चिकित्सा अधिकारी, नर्सिंग ऑफिसर एवं कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) शामिल हुए। प्रतिभागियों को गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग, समय पर पहचान, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं, एनसीडी एप्लीकेशन/डिजिटल मॉड्यूल के उपयोग तथा स्क्रीनिंग एवं रिपोर्टिंग प्रक्रिया की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान एनसीडी से संबंधित कार्यों के संचालन, डेटा की ऑनलाइन एंट्री, स्क्रीनिंग प्रक्रिया एवं फॉलोअप के संबंध में व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। स्वास्थ्य संस्थाओं में एनसीडी स्क्रीनिंग एवं रिपोर्टिंग को प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने पर विशेष जोर दिया गया। मास्टर ट्रेनर एवं नोडल एनसीडी डॉ. राजेश कुमार, डॉ. दीपक डेहरिया, विनोद सांवला एवं नेहा मीना ने विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया।

बिजली के पोल से टकराई स्कूल बस, बाल-बाल बचे बच्चे, टला बड़ा हादसा

11 केवी व एलटी लाइन में दौड़ रहा था करंट, बस में सवार थे 50 बच्चे, हादसे के बाद स्कूल बस में मची चीख-पुकर





पीपलखेड़ा-रसूलपुरा के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। बस झाड़ियों और गड्ढे में जा पहुंची और इसी दौरान बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे में कई बच्चे हुए घायल।

हरिभूमि न्यूज ⏭ दोराहा/अहमदपुर

बुधवार सुबह करीब 8 बजे बच्चों को लेकर जा रही दोराहा जोड़ पर संचालित ज्ञान वैली स्कूल की बस अहमदपुर थाना क्षेत्र के पीपलखेड़ा-रसूलपुरा के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। बस झाड़ियों और गड्ढे में जा पहुंची और इसी दौरान बिजली के पोल से टकरा गई। टक्कर से पोल टूट गया और बिजली की केबल नीचे आ गई। गनीमत यह रही कि बस बिजली के केबल में जाकर रुक गई और बड़ा हादसा टल गया। बस में करीब 50 बच्चे सवार बताए जा रहे हैं। हादसे में एक बच्ची को मामूली चोट आई, जिसका इलाज अहमदपुर के साहयोग अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है।

सड़क से उतरी बस, मची अफरा-तफरी

पीपलखेड़ा के पास दोराहा जोड़ पर संचालित ज्ञान वैली स्कूल की बस सुबह बच्चों को लेकर जा रही थी। इसी दौरान अचानक बस का संतुलन बिगड़ा और वह सड़क से नीचे उतरकर झाड़ियों और गड्ढे में जा पहुंची। बस के नीचे उतरते ही बच्चों में चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे। उन्होंने बस से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलने पर बच्चों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए।

बिजली पोल टूटा, सप्लाई थी चालू

अहमदपुर विद्युत केंद्र प्रभारी मनीषा चौहान ने बताया कि हादसे में जो बिजली का पोल टूट गया। इस पोल पर 11 केवी और एलटी लाइन थी तथा हादसे के समय विद्युत सप्लाई चालू थी। उन्होंने बताया कि बिजली केबल नीचे गिर गई थी प्रत्यक्ष दर्शी की माने तो बस उसी केबल में जाकर रुक गई। अगर बस केबल में नहीं रुकती या बिजली की स्थिति अलग होती तो हादसा और गंभीर हो सकता था। हालांकि विद्युत विभाग की ओर से तत्काल स्थिति को संभालने की कार्रवाई की गई।

करीब 50 बच्चे बस में होने का दावा

ग्रामीण एवं पालक लीला किशन ने बताया कि वह सुबह बच्चों को बस में बैठाने के लिए आए थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि बस सड़क से नीचे जाकर घुस गई। उन्होंने मौके पर पहुंचकर बच्चों को बस से बाहर निकालने में मदद की। उनके अनुसार बस में करीब 50 बच्चे सवार थे।

परिवहन विभाग ने माना-स्टाफ की कमी

परिवहन अधिकारी रितेश तिवारी ने बताया कि स्कूल खुलने के समय विभाग की ओर से अभियान चलाकर स्कूल वाहनों की जांच और कार्रवाई की जाती है। उन्होंने स्टाफ की कमी का हवाला देते हुए कहा कि पूरे जिले की जिम्मेदारी उनके पास है और पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध नहीं है। उनके मुताबिक करीब छह माह से बसी की जांच नहीं हो सकी है, हालांकि विभाग समय-समय पर कार्रवाई करता है।

स्कूल वाहनों की फिटनेस पर उठे सवाल

हादसे के बाद श्यामपुर तहसील क्षेत्र में संचालित स्कूल वाहनों की सुरक्षा और फिटनेस को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। कुछ स्कूल वाहनों में निर्धारित नियमों और गाइडलाइन का पालन नहीं किया जा रहा है। कई स्थानों पर मारुति वैन, टाटा सूमो मैजिक सहित अन्य निजी वाहनों से बच्चों को लाने-ले जाने का काम किया जा रहा है। स्कूल बसों के निर्धारित रंग, फिटनेस, परमिट, सुरक्षा उपकरण और अन्य जरूरी मानकों की जांच को लेकर भी अभिभावकों में चिंता है। ऐसे में इस हादसे के बाद परिवहन विभाग की नियमित मॉनिटरिंग और स्कूल वाहनों की जांच व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हादसे ने एक बार फिर यह सवाल सामने ला दिया है कि बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने वाले वाहनों की नियमित फिटनेस और सुरक्षा जांच कितनी प्रभावी है। विभाग ने स्टाफ की कमी की बात कही है, लेकिन अभिभावकों का सवाल है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत है।

बड़ा हादसा टला, बच्चे सुरक्षित

यह घटना महज संयोग बनकर न रह जाए। अब जरूरत है कि परिवहन विभाग जिलेभर में संचालित स्कूल बसों और अन्य स्कूली वाहनों की फिटनेस, परमिट, सुरक्षा मानकों और चालक की दक्षता की गंभीरता से जांच करे। क्योंकि बच्चों को स्कूल तक सुरक्षित पहुंचाना किसी विभाग की औपचारिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

जर्जर वाहनों से स्कूल जा रहे बच्चे

सीहोर जिले की श्यामपुर तहसील में कई विद्यालय ऐसे भी हैं जिनमे गाइडलाइन का पालन नहीं किया जा रहा है। कई बसें ऐसी भी सड़कों पर दौड़ रही है जो नियमों में नहीं आती वही स्कूल बस के कलर को लेकर बात करें तो कई निजी वाहन ऐसे चलते हैं जिनके वाहन तय कलर में नहीं देखे जाते है। इतना ही नहीं मारुति वैन, टाटा सूमो, आटो जैसे वाहनों से बच्चों को लाया और ले जाया जा रहा है।

बस में सवार थे 50 बच्चे

मैं सुबह स्टाफ पर बच्चों को बिठाने आया था। देखा तो बस इधर जाकर घुस गई मैं जल्दी से गया और बच्चों को आराम से बस में से निकाला। बस में लगभग 50 बच्चे सवार थे।

लीला किशन, पालक व ग्रामीण

11 केवी और एलटी लाइन चालू थी

बिजली पोल टूटा है जो पोल टूटा है उस पर 11 केव्ही ओर एल टी लाइन है। हादसे के समय विद्युत सप्लाई शुरू थी। बिजली पोल टूटा है और केवल नीचे पड़ी हुई है। केबल ने बस को रोका।

मनीषा चौहान, विद्युत केंद्र प्रभारी अहमदपुर

हमारे पास स्टाफ की कमी

समय-समय पर वाहन चैकिंग अभियान चलता है। हमारे द्वारा कार्रवाई लगातार की जाती है, 6 महीने से अभी तक फिलहाल चेक नहीं कर पाए हैं, पूरा जिला है मेरे पास, हमारे पास स्टाफ भी नहीं है। एक कांस्टेबल भी नहीं है मैं, अकेला हूं स्टाफ की कमी है। इसलिए डेली हम नहीं खड़े हो पाते। हम लगातार समय समय पर कार्रवाई करते रहते है।

रितेश तिवारी, परिवहन अधिकारी

करोड़ों के निर्माण कार्य कराने में महत्वपूर्ण पार्षदों की भूमिका: विधायक राय



हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शहर में हो रहे करोड़ों रुपए के निर्माण कार्यों को कराने में वार्ड पार्षदों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जनता के कामों के लिए हमारे पार्षद परिषद में लड़ जाते हैं। सक्रिय पार्षद सम्मान के पात्र हैं उक्त बात बुधवार को विधायक सुदेश राय ने पार्षदों का सम्मान करते हुए कही।

समाज सेविका श्रीमती अरुणा राय ने भी जनता के लिए समर्पित पार्षदों की कार्यशैली की प्रशंसा की उन्होंने कहा कि जनता के प्रथम प्रतिनिधि पार्षद हैं उन्हीं के माध्यम से विधायक जी और मेरे पास भी जनता की समस्याएं आती हैं सभी समस्याओं का निराकरण करने के लिए पार्षद अपने पूरे अधिकारों और संपर्क का इस्तेमाल करते हैं सभी पार्षद बधाई के पात्र हैं। अरुणा सुदेश राय प्रतिभा निखार मंच के द्वारा आयोजित क्रिसेंट गरबा महोत्सव प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मंच पर पार्षद कमलेश राठौर, अर्जुन सिंह राठौर, मुकेश मेवाड़ा, संतोष शाक्य, विजेंद्र परमार, विशाल राठौर, सपना मालवीय, सुनीता राय,चांदनी मालवीय,राजेश मांझी और अरुण मालवीय का शॉल श्रीफल स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत सम्मान किया गया। पार्षदों ने अरुणा सुदेश राय प्रतिभा निखार मंच क्रिसेंट गरबा महोत्सव में अपनी प्रतिभा दिखाने वाली बालिकाओं को निशुल्क गरबा प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर सराहना व्यक्त की और उन्होंने विधायक सुदेश राय और समाजसेवीका अरुणा राय का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं ने भी अपनी सामूहिक गरबा कला का प्रदर्शन किया।

ईशा पटेल का राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के लिए चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



द ऑक्सफोर्ड हायर सेकंडरी स्कूल, सीहोर की कक्षा 11वीं की प्रतिभाशाली छात्रा ईशा पटेल का सीबीएसई राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2026-27 के लिए चयन हुआ है। यह प्रतियोगिता 16 से 20 अक्टूबर 2026 तक सुशीला देवी पब्लिक स्कूल, पटियाला (पंजाब) में आयोजित की जाएगी। ईशा ने हाल ही में टी.टी. नगर स्टेडियम, भोपाल में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर XII एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1500 मीटर दौड़ में कांस्य पदक तथा 3000 मीटर दौड़ में रजत पदक प्राप्त किया। ईशा के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया है। ईशा की इस शानदार उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी शीलू शर्मा, आवासीय खेलकूद संस्थान के प्राचार्य आलोक शर्मा, जिला क्रीड़ा अधिकारी अत्ताउल्लाह खान, संकुल प्राचार्य कमल सिंह कोदिया, संस्था अध्यक्ष एडवोकेट जॉली कुरियन, प्राचार्या डॉ. बीना जे. कुरियन एवं विद्यालय के खेल शिक्षक सुमित शर्मा सहित समस्त विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए ईशा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय प्रबंधन एवं समस्त स्टाफ ने ईशा के समर्पण, अनुशासन, मेहनत एवं खेल भावना की सराहना करते हुए राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

8 हजार रुपए रिश्वत मांगने के प्रकरण में कलेक्टर ने जारी किया आदेश

सीहोर। राजस्व प्रशासन में अनियमितता और भ्रष्टाचार के मामलों में जिला स्तर पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर बालागुरु के. ने जावर तहसील में पदस्थ पटवारी धर्मेन्द्र सिंह राठौर के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अभियोजन की स्वीकृति प्रदान की है। यह कार्रवाई लोकायुक्त में दर्ज शिकायत और जांच में सामने आए तथ्यों एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की गई है। जारी आदेश के अनुसार, पटवारी धर्मेन्द्र सिंह राठौर के विरुद्ध शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया था कि पटवारी द्वारा भूमि नामांतरण के एवज में 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है। जारी आदेश के अनुसार शिकायत के सत्यापन के लिए निरीक्षक श्री मुकेश तिवारी द्वारा शिकायतकर्ता को डिजिटल वॉयस रिकॉर्डर उपलब्ध कराया गया। रिकॉर्डिंग के दौरान पटवारी द्वारा 8 हजार रुपये रिश्वत लेने पर सहमति व्यक्त की गई। इसके बाद स्वतंत्र पंच साक्षियों की उपस्थिति में रिकॉर्डेड वार्तालाप का अवलोकन कर प्रारंभिक पंचनामा तैयार किया गया और जावर जाकर ट्रेप की कार्रवाई की गई। रिकॉर्ड की गई बातचीत में रिश्वत की मांग स्पष्ट रूप से प्रमाणित हुई।

लायंस क्लब द्वारा निशुल्क नेत्र जांच और मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर 11 अक्टूबर को

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

लायंस क्लब सीहोर सिद्धपुर द्वारा सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय, भोपाल के सहयोग से रविवार 11 अक्टूबर को जिला मुख्यालय पर निःशुल्क नेत्र रोग निदान एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर आयोजित किया जाएगा।

क्लब अध्यक्ष ला अजय राय ने बताया कि शिविर का आयोजन सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक सेवा सदन आंख जांच केंद्र, वसीम मंजिल, इंग्लिशपुरा मेन रोड, मस्जिद के पास, सीहोर में होगा। शिविर में नेत्र रोगों की जांच एवं मरीजों की भर्ती की जाएगी।

मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों के ऑपरेशन सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय, आशाराम बापू चौराहा, एयरपोर्ट रोड, गांधी नगर, भोपाल में किए जाएंगे। रोगियों के आने जाने के लिए निशुल्क बस सुविधा उपलब्ध रहेगी। शिविर में जांच, ऑपरेशन, लेंस प्रत्यारोपण, काला चश्मा, आवश्यक दवाइयां, आवास, भोजन एवं फल की निःशुल्क व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी।

शिविर में आने वाले मरीजों को नेत्र रोग के उपचार के लिए आधार कार्ड, वोटर आईडी, फोटो कॉपी एवं मोबाइल नंबर साथ लाना अनिवार्य है। आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों के लिए भी विशेष सुविधा उपलब्ध रहेगी। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर बेहतर एवं निःशुल्क नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।

भागवत कथा में लगाया छप्पन भोग, गोवर्धन पर्वत की पूजा की

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम लसुडिया परिहार में संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार को श्रीमद् भागवत कथा में भगवान बालकृष्ण लल्ला के मनोहर चरित्र बाल लीला का कथा व्यास पंडित पंकज कृष्ण महाराज ने रोचक वर्णन किया । इस दौरान छप्पन भोग लगाकर गोवर्धन पर्वत की पूजा अर्चना की गई ।

भागवत कथा के पांचवें दिन भगवान श्रीकृष्ण की बाललीलाओं के अलावा गोवर्धन पूजन का महत्व और छप्पन भोग की आरती सजाई गई थी। उन्होंने कहाकि बुद्धि अल्पज्ञ और ईश्वर सर्वज्ञ है। बुद्धि प्रकाशित और ईश्वर प्रकाशमान है। मन की दो परिस्थिति होती हैं, भय और लोभ। मन हमेशा भय या लोभ से ग्रसित होता हैं। मन ही माया के बंधन में बंधा रहता है। अत मन ही बंधन का कारण है। इसलिए मन को गोविंद के चरणों में लगा दो। ईश्वर को जानकर ही कोई जीव माया से पार हो सकता है, इसका अन्य कोई मार्ग नहीं है किंतु हम ईश्वर को कैसे जाने, इसके उत्तर में वेदों-शास्त्रों से ढेरों प्रमाण देते हुए कहा कि ईश्वर को कोई जान ही नहीं सकता, क्योंकि ईश्वर इन्द्रिय, मन एवं बुद्धि से परे है।

बुधवार को कथा व्यास पंडित पंकज कृष्ण महाराज ने गोवर्धन पूजन का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि इंद्र ने क्रोधित होकर भयंकर आंधी तूफान बारिश की। जिससे समस्त गोकुल में त्राहि-त्राहि मच उठी। रक्षा के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी उंगली पर श्री गोवर्धन पर्वत को धारण किया एवं समस्त गोकुल वासी को शरण दी। इंद्र के कुपित होने पर भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाया था। अहंकार को नष्ट करने के लिए ही भगवान ने गोवर्धन की पूजन का क्रम आरंभ करवाया था। भगवान श्री कृष्ण ने इंद्र के अहंकार को नष्ट करने के लिए गोवर्धन पूजा कराई थी।

ग्राम पंचायतों में रिक्त उपसरपंच पदों के निर्वाचन के लिए सम्मेलन

सीहोर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जिले की ग्राम पंचायतों में आकस्मिक रूप से रिक्त हुए उपसरपंच पदों के निर्वाचन के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सम्मेलन आयोजित कराने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों एवं मध्यप्रदेश पंचायत (उपसरपंच अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष) निर्वाचन नियम, 1995 के प्रावधानों के तहत की जाएगी। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के सीहोर, आष्टा, इछावर, भैरूंदा एवं बुधनी विकासखंड अंतर्गत जिन ग्राम पंचायतों में उपसरपंच का पद आकस्मिक रूप से रिक्त हुआ है, वहां नियमानुसार निर्वाचन के लिए सम्मिलन आयोजित कराया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को आयोग द्वारा निर्धारित तिथि एवं निर्देशों के अनुसार निर्वाचन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

चितौड़िया लाखा और दीदाखेड़ी में सेवा संकल्प के तहत हुआ आंगन मिलन कार्यक्रम

बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर फल और मिठाई का किया वितरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर



सेवा संकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत चितौड़िया लाखा और दीदाखेड़ी स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन कार्यक्रम के तीसरे दिन विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी केंद्रों से जुड़े बच्चों, महिलाओं और किशोरियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण को लेकर विशेष गतिविधियां आयोजित की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। साथ ही बच्चों के लिए विभिन्न रचनात्मक, मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। खेल-खेल में सीखने की गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को नई चीजें सीखने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया। बच्चों में उत्साह बढ़ाने के लिए फल एवं मिठाई का वितरण भी किया। कार्यक्रम में समूह की महिलाएं, गर्भवती व धात्री महिलाएं, किशोरी बालिकाएं तथा बच्चे शामिल हुए। महिलाओं और बच्चों को स्वास्थ्य, पोषण एवं नियमित देखभाल के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर सरपंच रेखा धरम सिंह मेवाड़ा ने संबोधित करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े महत्वपूर्ण केंद्र हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से समुदाय की सहभागिता बढ़ती है और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार होता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समुदाय की सहभागिता को बढ़ावा देते हुए बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना रहा। गतिविधियों के माध्यम से बच्चों और अभिभावकों को आंगनवाड़ी केंद्रों से अधिक सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर सारिका राठौर, सरिता, रेखा, ज्ञानवती मेवाड़ा, संगीता वर्मा, पूजा मेवाड़ा, नैसी राय सहित अन्य उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य महकमे की सुस्ती और लचर निगरानी का फायदा उठा रहे झोलाछाप

बिना किसी वैध डिग्री के मेडिकल स्टोरों की आड़ में मरीजों की जिंदगी से कर रहे खिलवाड़



हरिभूमि न्यूज ⏭ब्यावरा



बाहर मेडिकल, अंदर अवैध क्लीनिक

शहर में बड़ा ही खतरनाक खेल चल रहा है। बाहर से देखोगे तो सिर्फ एक साधारण मेडिकल स्टोर नजर आता है लेकिन पर्दे के पीछे की सच्चाई रोंगटे खड़े कर देने वाली है। मेडिकल स्टोर के पिछले हिस्से में बाकायदा स्ट्रेचर बेड और ग्लूकोज की बोतलें टांगने के इंतजाम किए गए हैं। मेडिकल लाइसेंस की आड़ में अंदर पूरा का पूरा अवैध क्लीनिक संचालित हो रहा है जहां दवा बेचने की जगह धड़ल्ले से मरीजों को भर्ती कर इलाज का नाटक रचा जा रहा है।

इनका कहना है

सभी मेडिकल क्लिनिकों की हम जांच करेंगे। अगर कोई मेडिकल के अंदर क्लिनिक चला रहे हैं और जितने भी अवैध क्लिनिक चल रहे हैं सभी पर ठोस कार्यवाही करेंगे।

सैफ जलाल उदीन, सीबीएमओ ब्यावरा

राजगढ़ जिले में लंबे समय से स्वास्थ्य विभाग में बैठे भ्रष्ट अधिकारियों के कारण झोलाछाप डॉक्टरों ने तांडव मचा रखा है। झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा जिले की भोलीभाली जनता का नकली दवाई इंजेक्शन के माध्यम से इलाज किया जा रहा है। जिसके चलते मरीजों को स्वास्थ्य शरीर की जगह और अधिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। जहां मरीज अपना इलाज करवा कर अपनी काया को सही करवाने के लिए पहुंचता है, वहीं उसकी हालात आगे चलकर खराब हो जाती हैं। ऐसे लोगों पर आज तक लंबे समय से विभाग द्वारा कोई सख्ती नहीं दिखाई गई है।

ऐसा ही मामला ब्यावरा शहर में सहित जिलेभर में स्वास्थ्य महकमे की सुस्ती और लचर निगरानी का फायदा उठाकर झोलाछाप डॉक्टरों और फर्जी क्लीनिकों का कारोबार पंख पसार चुका है। आलम यह है कि बिना किसी वैध डिग्री के गली-कूचों और मेडिकल स्टोरों की आड़ में डॉक्टर बने ये मौत के सौदागर रोजाना सैकड़ों बेबस मरीजों की जिंदगी से सरेआम खिलवाड़ कर रहे हैं। क्लीनिक के अंदर एमबीबीएस डॉक्टर जैसे गले में आला और कुर्सी लगा कर बैठे रहते हैं। शहर की गलियों में कदम रखते ही आपको जगह-जगह ऐसे सुरमा मिल जाएंगे जो गले में आला टांगकर खुद को किसी बड़े एमबीबीएस डॉक्टर से कम नहीं समझते। बिना किसी मेडिकल योग्यता या डिग्री के ये झोलाछाप डॉक्टर न सिर्फ गंभीर बीमारियों का इलाज करने का दावा ठोक रहे हैं बल्कि धड़ल्ले से हैवी दवाइयां लिख रहे हैं।

एक ही सीरीज से कई मरीजों को लगा रहे इंजेक्शन, मंडरा रहा बीमारियों का खतरा

संक्रमण और स्वच्छता के नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए ये नीम-हकीम एक ही सुई से 3 से 4 मरीजों को बेधड़क इंजेक्शन ठोक रहे हैं। री-यूज की जा रही सिरिंज से एचआईवी जैसी जानलेवा बीमारियों के फैलने का भयानक खतरा बना हुआ है। चंद रुपयों के लालच में मरीजों की नसों में सीधे जहर घोला जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग क्यों साधे है चुप्पी?

इतने बड़े पैमाने पर चल रहे इस फर्जीवाड़े के बावजूद स्थानीय स्वास्थ्य विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। समय-समय पर विभागीय कार्रवाई महज कागजी खानापूर्ति और दिखावे तक सीमित रह जाती है। कोई ठोस और कड़ी कार्रवाई न होने के कारण इन झोलाछाप डॉक्टरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि इन्हें कानून का जरा भी खौफ नहीं रहा। अब देखना यह होगा कि इस खबर के बाद बेखबर बैठा स्वास्थ्य प्रशासन जागता है या फिर ब्यावरा की जनता यूं ही इन झोलाछापों के भरोसे अपनी जान जोखिम में डालने को मजबूर रहेगी!

मंडी में फसल का उचित भाव नहीं मिलने पर किसानों ने पचोर-जीरापुर हाईवे पर लगाया जाम

सोयाबीन का उचित दाम नहीं मिलने किया हंगामा

हरिभूमि न्यूज ⏭खुजनेर



स्थानीय कृषि उपज मंडी में मंगलवार शाम सोयाबीन की उपज के उचित दाम नहीं मिलने से नाराज किसानों ने हंगामा कर दिया। देखते ही देखते किसानों ने पचोर-जीरापुर स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। किसानों का आरोप है कि सोयाबीन की फसल अच्छी होने के बावजूद व्यापारी उनकी उपज उचित भाव पर नहीं खरीद रहे हैं। किसानों का कहना है कि व्यापारी अपनी मनमर्जी से फसल के दाम तय कर रहे हैं, जिससे उन्हें उपज का सही मूल्य नहीं मिल पा रहा है।

किसानों ने मंडी में भोजन, पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर भी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। हंगामे और हाईवे जाम की सूचना मिलने पर लीमाचौहान और छापीहेड़ा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने किसानों से चर्चा कर समझाइश दी, जिसके बाद दो घंटे से अधिक समय तक चला हंगामा शांत हुआ और यातायात व्यवस्था बहाल कराई गई। किसानों ने सोयाबीन की उपज का उचित मूल्य दिलाने और मंडी में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

इनका कहना है...

किसानों द्वारा जाम लगाया था मौके पर पहुंच जाम खुलवाया। भाव को लेकर किसानों को संतुष्ट किया है।

उमाशंकर मुकाती, थाना प्रभारी छापीहेड़ा

सफाई व्यवस्था को लेकर नपाध्यक्ष ने की आमजन से अपील

मंदसौर। नपाध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि विगत दिनों से शहर में चल रही सफाई मित्रों की हड़ताल के कारण नगर की स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हुई है। हमें जानकारी है कि कई स्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर नियमित रूप से कचरा संग्रहण नहीं हो पा रहा है, जिसके लिए हमें खेद है। सफाई कामगारों के वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल से चर्चा कर उनकी शासन स्तर से संबंधित मांगों को शासन तक पहुंचा दिया गया है। साथ ही उनसे आग्रह किया गया है कि वे हड़ताल समाप्त कर पुनः अपने कार्य पर लौटें, ताकि शहर की सफाई व्यवस्था जल्द से जल्द सुचारु हो सके। मैं जनता से भी निवेदन करती हूं कि घरों एवं दुकानों से निकलने वाला कचरा इधर-उधर न डालें।

बीजासन माता मंदिर समिति ने नवरात्रि पर्व उल्लास से मनाने के लिए बैठक का किया आयोजन



जीरापुर। स्थानीय मेडतवाल समाज धर्मशाला में बीजासन माता मंदिर समिति द्वारा नवरात्रि उत्सव को हर्ष उल्लास से मनाने लिए बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बीजासन माता मंदिर पर नौ दिवसीय नवरात्रा महोत्सव उत्सव उल्लास एवं धार्मिक आस्था श्रद्धा भाव से मनाने सहित सहयोग राशि पर चर्चा की गई। इस दौरान सभी ने आर्थिक रूप से सहयोग राशि भेंट की। आयोजन की तैयारियों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में उपस्थित गणमान्य जनों ने अपने अपने विचार रखे। जहां पर सर्वप्रथम बीजासन माता के चित्र पर माल्यार्पण पुजा अर्चना करके आरती बीजासन माता मंदिर के सेवादार ओमप्रकाश पांचाल एवं अन्य वरिष्ठ जनों ने उतारी तद उपरांत बैठक कि कार्यवाही शुरू की गई। संचालन सेवानिवृत्त शिक्षक मोहनलाल पुष्पद ने करते हुए नवरात्रा महोत्सव सौहार्द से मनाने की बात रखी। समिति सदस्य संजय गुप्ता हार्ड वेयर ने समिति द्वारा होने वाले आयोजन की रूपरेखा एवं आर्थिक सहयोग देने वाले सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

निरीक्षण में मंत्री टेटवाल ने परखी अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं

डायलिसिस यूनिट में मरीजों से किया संवाद, पैथोलॉजी मशीनों का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए निर्देश



हरिभूमि न्यूज ⏭सारंगपुर

मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने मंगलवार को सारंगपुर सिविल चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अचानक अस्पताल पहुंचे मंत्री ने विभिन्न विभागों का निरीक्षण करते हुए मरीजों को मिल रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री टेटवाल ने पैथोलॉजी विभाग पहुंचकर वहां संचालित मशीनों और जांच व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने जांच प्रक्रिया, उपलब्ध संसाधनों और मरीजों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। इसके बाद डायलिसिस यूनिट का निरीक्षण किया। यहां उपचाररत मरीजों से संवाद कर उनके स्वास्थ्य और उपचार व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं को लेकर भी जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान मंत्री दीनदयाल रसोई पहुंचे, जहां उन्होंने जरूरतमंदों को वितरित किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता की जांच की। उन्होंने स्वयं भी भोजन कर व्यवस्था का जायजा लिया। मंत्री ने भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने के साथ रसोई में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा मंत्री टेटवाल ने अस्पताल में आयोजित नेत्र शिविर का निरीक्षण किया और जरूरतमंद मरीजों को चश्मे वितरित किए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रत्येक नागरिक का अधिकार हैं। सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और संवेदनशील बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता निर्मल जैन, मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद, रोगी कल्याण समिति सदस्य सुधीर श्रीमाल, भाजपा महामंत्री कमल राठौर सहित अस्पताल स्टाफ और आमजन मौजूद रहे।

प्रत्येक श्रावक-श्राविका को जीवन में दूसरे की निंदा करने की प्रवृत्ति का त्याग करना ही चाहिए : मुनिश्री

मंदसौर। जीवागंज स्थित राजेन्द्र विलास में जैन संत प्रत्यक्ष रत्नविजय म. सा. धर्मबिन्दु ग्रंथ का वाचन कर रहे हैं व इस शास्त्र का वाचन करते हुए शास्त्र में बताई गई ज्ञानवर्धक वचनों का भावार्थ भी बता रहे हैं। बुधवार को उन्होंने व्यवहार धर्म बताते हुए कहा कि प्रत्येक श्रावक-श्राविका को जीवन में दूसरे की निंदा करने की प्रवृत्ति का त्याग करना ही चाहिये, जहां भी दूसरे की निंदा हो रही हो वहां रुकना नहीं चाहिये। उन्होंने कहा कि जिस देश अर्थात क्षेत्र में रह रहे हो उस क्षेत्र के राजा अर्थात जनप्रतिनिधि की आलोचना या निंदा नहीं करना चाहिये। श्री संघ की निंदा की प्रवृत्ति भी नहीं रखना चाहिये। हम कई बार दूसरे की निंदा होते देख स्वयं भी निंदा करने में शामिल हो जाते हैं इससे हमें बचना चाहिये। आपने यह भी कहा कि बोलने के पहले विचार करो बोलने के बाद पछताना पड़े ऐसा मत बोलो क्योंकि शब्द का घाव तीर से भी ज्यादा होता है। शब्दों से जो दूसरे के हृदय में चोट लगती है उसका विचार करना चाहिये। शब्द बोलने के बाद कभी वापस नहीं आते इसलिये सोच विचार कर बोले। मुनिश्री ने कहा कि जो भी लोग असदाचारी अर्थात दुष्ट प्रवृत्ति के हैं उनका सत्संग नहीं करना चाहिये अर्थात उनके साथ नहीं रहना चाहिये। जीवन में सदैव प्रभावशाली व्यक्ति जो अच्छे विचारों के हों जिनका समाज में सम्मान हो ऐसे व्यक्तियों की संगति करना चाहिये जो सद्पुरूष हैं अर्थात उत्तम विचारों के हैं उनके साथ रहने से जीवन में ज्ञान बढ़ता है इसलिये ऐसे व्यक्तियों की संगति करें। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

दशहरा पर्व को लेकर नपा ने शुरू की तैयारियां सीएमओ ने दोनों मैदानों का किया निरीक्षण



सारंगपुर। आगामी 20 अक्टूबर को मनाए जाने वाले विजयादशमी पर्व को लेकर नगर पालिका परिषद सारंगपुर ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी दीपक रानवे ने नवीन बस स्टैंड के समीप स्थित दशहरा मैदान एवं पुराने दशहरा मैदान का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने रावण दहन स्थल, दर्शकों के बैठने की व्यवस्था तथा आवागमन के मार्गों का जायजा लिया। उन्होंने दशहरा मार्गों के समतलीकरण (रोड लेवलिंग) का कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि पर्व के दौरान आने वाले हजारों नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो। सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक स्थानों पर बैरिकेडिंग करने तथा रावण दहन स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान सफाई कार्य भी करवाया गया। सीएमओ रानवे ने प्रभारी स्वच्छता निरीक्षक सतीश कंडारे को सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और अग्निशमन व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। रावण दहन स्थल और आसपास के मार्गों पर पर्याप्त रोशनी, श्रद्धालुओं के लिए पेयजल पॉइंट एवं टैंकर तथा फायर ब्रिगेड और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नगर पालिका अधिकारियों ने बताया कि दशहरा पर्व से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएंगी, ताकि सारंगपुर में दशहरा पर्व हर्षोल्लास, भव्यता और सुरक्षित माहौल में संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान प्रभारी स्वच्छता निरीक्षक सतीश कंडारे, जितेंद्र भैरवे, मनीष गिरजे सहित नगर पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।

पोषण व स्वास्थ्य विषय पर जागरुकता व्याख्यान का किया गया आयोजन

मंदसौर। शासकीय कन्या महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉक्टर सुधीर रायजादा ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत पोषण एवं स्वास्थ्य विषय पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में असिस्टेंट प्रोफेसर सूरज वर्मा द्वारा विद्यार्थियों को पोषण, संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। व्याख्यान के दौरान सूरज वर्मा ने विद्यार्थियों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व से अवगत कराते हुए बताया कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए भोजन में आवश्यक पोषक तत्वों का उचित संतुलन होना आवश्यक है। उन्होंने जंक फूड एवं अत्यधिक तैलीय तथा अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के सेवन से बचने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और नियमित शारीरिक गतिविधियों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर जोर दियाउन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही एक सफल एवं सक्रिय जीवन की आधारशिला हैं। विद्यार्थियों को अपनी दिनचर्या में पौष्टिक आहार, पर्याप्त नींद, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं नियमित व्यायाम को शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

कंप्यूटर ऑपरेटर ने शराब के नशे में अस्पताल के स्टाफ के साथ की अभद्रता, मामला दर्ज



जीरापुर। नगर के सिविल अस्पताल में सोमवार रात लगभग 8 बजे उस समय हंगामा हो गया, जब ओपीडी पर्ची बनाने का कार्य कर रहे कंप्यूटर ऑपरेटर पर शराब के नशे में मरीज एवं अस्पताल कर्मचारी से अभद्रता की। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कार्तिक इंटरप्राइजेज के कंप्यूटर ऑपरेटर जितेंद्र मेहरा निवासी पिपलिया कुलमी ने सिविल अस्पताल में शराब के नशे में हंगामा किया और कथित रूप से अस्पताल के कैमरे बंद कर दिए तथा ओपीडी पर्ची कक्ष का गेट अंदर से बंद कर दिया। बताया गया कि इस दौरान ऑपरेटर ने अस्पताल के स्टाफ के साथ अभद्रता की। इसी बीच एक इमरजेंसी मरीज अस्पताल पहुंचा, लेकिन ओपीडी पर्ची बनाने से इनकार किए जाने के कारण मरीज का ऑफलाइन पर्चा बनाकर रेफर करना पड़ा।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस को बुलाया

ब्लॉक मेडिकल अधिकारी डॉ. सुनील चौरसिया ने बताया कि कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा वार्डबॉय राकेश प्रजापति के साथ भी अभद्रता की गई है। इमरजेंसी मरीज की ओपीडी पर्ची बनाने से मना किया तथा ओपीडी कक्ष के गेट अंदर से बंद किए। इसकी जानकारी पुलिस प्रशासन को दी गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कंप्यूटर ऑपरेटर को थाने ले गई। मामले में पुलिस द्वारा धारा 151 में अपराध दर्ज किया। अस्पताल प्रबंधन ने घटना को गंभीरता से लेते हुए इस घटना की निंदा की।

अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण का विधायक ने किया निरीक्षण

ठेकेदार को दिए निर्देश, कार्य की गुणवत्ता मापदंड के अनुसार हो



हरिभूमि न्यूज ⏭कुरावर

मंगलवार को शासकीय कार्यक्रम एवं बैठक में शामिल होने पहुंचे क्षेत्रीय विधायक मोहन शर्मा ने दोपहर करीब 2 बजे शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल परिसर में निर्माणाधीन अतिरिक्त कक्षाओं का औचक निरीक्षण किया। विधायक ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति का जायजा लेते हुए मौके पर मौजूद ठेकेदार मंगल पटेल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विद्यालय परिसर में पर्यटन विकास निगम को निर्माण एजेंसी के माध्यम से करीब 4 करोड़ 54 लाख 84 हजार रुपए की लागत से 16 अतिरिक्त कक्षाओं का निर्माण कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान विधायक शर्मा ने कहा कि इन कक्षाओं में क्षेत्र के छात्र-छात्राएं अध्ययन करेंगे, इसलिए निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि कक्षाओं का निर्माण शासन द्वारा निर्धारित मापदंड के अनुसार ही किया जाए तथा लंबाई-चैड़ाई में किसी तरह का अंतर नहीं होना चाहिए।

विधायक ने निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री का भी निरीक्षण किया। उन्होंने गुणवत्ता को लेकर नाराजगी जताते हुए ठेकेदार को निर्माण सामग्री में नर्मदा सीमेंट का उपयोग करने तथा फिनिशिंग का कार्य बेहतर तरीके से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवन की लाइन एवं फिनिशिंग स्पष्ट और गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान भवन में एक सीढ़ी बनाए जाने की जानकारी मिलने पर विधायक ने आगे की ओर भी सीढ़ी का निर्माण कराने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को आवागमन में सुविधा रहे।

छोटे किसानों को मिले नकद भुगतान, गुरुवार को भी हो मंडी में उपज की खरीदी

किसानों के भुगतान को लेकर मंडी पहुंचे विधायक-एसडीएम



हरिभूमि न्यूज ⏭कुरावर

कृषि उपज के नगद भुगतान की मांग को लेकर सोमवार को मंडी में किसानों के हंगामे और नीलामी बंद होने के बाद मंगलवार को विधायक मोहन शर्मा एवं एसडीएम अभय प्रताप सिंह पटेल मंडी कार्यालय पहुंचे। यहां विधायक ने किसान, व्यापारी और विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों की बैठक लेकर भुगतान व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं को सुना और समाधान के निर्देश दिए।

दरअसल, सोमवार सुबह करीब 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक किसानों ने कृषि उपज के नगद भुगतान की मांग को लेकर मंडी में नीलामी बंद कर दी थी। किसानों का आरोप था कि व्यापारी उपज खरीदने के बाद आरटीजीएस के माध्यम से उनके बैंक खातों में भुगतान करते हैं, जिसमें करीब आठ दिन तक का समय लग रहा है। इससे किसानों को तत्काल आर्थिक जरूरतों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे विधायक मोहन शर्मा और एसडीएम अभय प्रताप सिंह पटेल मंडी कार्यालय पहुंचे। बैठक में भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, नर्मदा मालवा, एचडीएफसी और आईडीएफसी बैंक के प्रतिनिधियों के साथ किसान और व्यापारी मौजूद रहे। सभी पक्षों की समस्याएं बारी-बारी से सुनी गईं।

बैंकों ने बताई नकदी की समस्या

बैठक में बैंक प्रतिनिधियों ने बताया कि बैंकों में नगद राशि निकालने वाले ग्राहकों की संख्या अधिक है, जबकि नगद जमा कराने वाले अपेक्षाकृत कम हैं। साथ ही हेड ब्रांच से करीब 80 से 90 लाख रुपए की नगद लिमिट मिलती है, वह राशि भी कई बार दो से तीन दिन में उपलब्ध होती है। इसके चलते व्यापारियों को किसानों को तत्काल नगद भुगतान करने में परेशानी आती है। इस पर विधायक मोहन शर्मा ने जिला कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा से दूरभाष पर चर्चा कर बैंकों को पर्याप्त नगद उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा। विधायक ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का भुगतान समय पर मिले, इसके लिए सभी संबंधित विभाग और बैंक समन्वय से काम करें। इस अवसर पर किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मनफूल सिंह बना, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश मंडलोई, नगर परिशद सांसद प्रतिनिधि बाला प्रसाद चंद्रवंषी, वरिश्ठ भाजपा नेता घनष्याम गर्ग, महामंत्री लखन राजपूत, पार्शद प्रतिनिधि दिलीप बना, मोहन वर्मा, पार्शद बद्रीलाल कुशवाहा, एल्डरमैन कल्लू मीना, संजय नागर, भूपेंद्र सिंह भदौरिया, राकेष मीना सहित अनाज व्यापारी संघ अध्यक्ष पवन अग्रवाल, राकेष माहेष्वरी, दीपक अग्रवाल, षैलू जिंदल, गौरव सिंघी, कृश्ण मोहन गोयल, सुरेष गोयल, अंकित अग्रवाल, शाहिद सहित बड़ी संख्या में किसान एवं बैंक मैनेजर मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में दान करने की अपील

सीहोर। देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए, दिव्यांग हुए सैनिकों तथा पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए राज्य सैनिक बोर्ड द्वारा अनेक कार्यक्रम चलाए जाते हैं। कलेक्टर बालागुरू के. ने इस पुनीत कार्य के लिए जिले के सभी अधिकारियों एवं नागरिकों से सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में अधिक से अधिक दान करने की अपील की है। कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि भारतीय सेना के तीनों अंग देश की रक्षा के लिए सदैव सजग रहते हैं। देश की सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ देश की आंतरिक सुरक्षा एवं प्राकृतिक आपदा के समय नागरिकों की सुरक्षा में भी सेना का बहुत बड़ा योगदान है। हमारे देश की सेवा और कर्तव्य-पालन में हमारे अनेक सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए हैं। उनके बलिदान एवं योगदान के लिए राष्ट्र उनका कृतज्ञ है। झंडा दिवस पर सशस्त्र सेनाओं के आश्रितों के कल्याण एवं पुनर्वास के लिये झंडा दिवस कोष में उदारतापूर्वक योगदान के जरिए उनके प्रति कृतज्ञता और एकजुटता प्रदर्शित करने का एक उत्तम अवसर है। कलेक्टर बालागुरू के. ने बताया कि इस सहयोग में मिलने वाली राशि का उपयोग हमारे देश के शहीद सैनिकों की विधवाओं, दिव्यांग हुए सैनिकों एवं अन्य भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण के लिये किया जाता है। पूरा देश झण्डा दिवस पर अपना अनुदान देकर सेना के प्रति अपनी एकता की भावना को व्यक्त करता है, जिससे सैनिक भी आश्वस्त होते हैं कि संपूर्ण देश उनके परिवार की सहायता के लिये प्रतिबद्ध है। इस दिवस पर हमारे देश के सैनिकों और देशवासियों के मध्य जो एक अपनेपन और विश्वास का रिश्ता है वो सुदृढ़ और आत्मीय होता है।

पुलिस जांच में खुलासा मारपीट, प्रताड़ना से तंग आकर की थी विश्राम ने आत्महत्या

शक के आधार पर की थी मारपीट, पुलिस ने तीन लोगों पर की एफआईआर दर्ज

नहीं मिला मोबाइल में कोई आपत्तिजनक वीडियो, 19 दिन के बाद पार्वती थाना पुलिस ने आरोपियों पर प्रकरण किया दर्ज।

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



19 सितंबर को ग्राम छापरी के विश्राम मेवाड़ा की जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या मामले में पार्वती पुलिस ने 19 दिनों बाद पुरे प्रकरण का खुलासा कर आरोपियों पर एफआईदर्ज कर ली है वही पुरे मामले में अब तक मृतक विश्राम का मोबाइल मिस्ट्री बना हुआ था उस मिस्ट्री को भी पुलिस ने सुलझा लिया है लिहाजा पुलिस की साइबर जांच में मोबाइल में कोई आपत्तिजनक वीडियो नहीं मिला है। पार्वती थाना प्रभारी हरीसिंह परमार ने जानकारी देते हुए बताया की 30 वर्षीय विश्राम मेवाड़ा ने 19 सितंबर को जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या की थी। उसके बाद 20 सितंबर को पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया था। पुलिस की मर्ग जांच में यह पाया की विश्राम को महिलाओ के चोरी छिपे वीडियो बनाने की शंका पर जैन मंदिर में 18 सितंबर को मारपीट कर प्रताड़ति किया गया था। उसके बाद ही विश्राम ने मारपीट और प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या जैसा कदम उठाया था। पुलिस ने मृतक का मोबाइल भी साइबर जांच के लिए भेजा था। जिसकी प्रारंभिक जांच में मोबाइल में कोई आपत्तिजनक वीडियो नहीं मिला। जांच के बाद विश्राम के साथ मारपीट करने वाले आरोपी धीरज जैन,पारस जैन और सूरज माली पर मामला दर्ज कर लिया है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायलय में भेजा जायेगा।

एक सप्ताह बाद हुआ मारपीट का खुलासा

मृतक के पिता मेहरबान सिंह ने 28 सितंबर को पार्वती थाना पुलिस को आवेदन देकर बताया था कि विश्राम आष्टा के बुधवारा स्थित वस्त्रम वस्त्रालय में चार साल से काम करता था। 19 सितंबर को शाम 5 बजे वह दुकान से घर आया और जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिए ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। लिहाजा विश्राम की आत्महत्या के एक सप्ताह बाद खुलासा हुआ की 18 सितंबर को जैन मंदिर में महिलाओं के चोरी-छिपे वीडियो बनाने के शक में कुछ लोगों ने विश्राम के साथ मंदिर परिसर मे मारपीट कर मोबाइल छुड़ाकर अपमानित किया था।

जांच में नहीं मिला कोई वीडियो

जानकारी अनुसार मृतक विश्राम पर किला स्थित जैन मंदिर में वस्त्र बदल रही महिलाओ के मोबाइल से चोरी छिपे विडियो बनाने के आरोप मंदिर समिति ने लगाए थे और इसी के चलते मंदिर समिति ने भी विश्राम के मोबाइल को जाँच के लिए आष्टा पुलिस को सौपा था, हालांकि घटना के समय भी मृतक विश्राम के मोबाइल में कोई आपत्तिजनक वीडियो नहीं मिला था वही आष्टा पुलिस को भी जाँच में मोबाइल में ऐसा कुछ नहीं मिला था, लिहाजा जब से ही मामले ने तूल पकड़ा हुआ था और 28 सितंबर को मंदिर समिति के कैलाश जैन से पार्वती पुलिस ने मोबाइल लेकर साइबर टीम को जाँच के लिए भेजा है। संभावना जताई जा रही है की मोबाइल में छुपे राज जांच के बाद सामने आ सकते है जिससे विश्राम की आत्महत्या के कारणों का खुलासा हो सकता है। लेकिन अब जांच पूर्ण होने के बाद पार्वती पुलिस की प्रारंभिक साइबर जांच में मृतक विश्राम के मोबाइल से कोई आपत्तिजनक वीडियो या अन्य सामग्री नहीं मिली।

48 घंटे में किया खुलासा

5 अक्टूबर को मेवाड़ा राजपूत समाज के विश्राम मेवाड़ा को श्रद्धांजलि देने और केंडल मार्च के बहाने हुए प्रदर्शन पर बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद हुए थे इस दौरान एसडीएम महेंद्र किरार और एसडीओपी दामोदर गुप्ता ने मोर्चा संभालकर समाज जनों से सकारात्मक चर्चा कर 48 घंटे में मामले का खुलासा कर कार्यवाही की बात कहीं थी और अपनी कहीं बात अनुसार एसडीएम, एसडीओपी के निर्देश पर पार्वती पुलिस ने अपनी जांच को रफ़्तार दी लिहाजा नतीजा 48 घंटे में पुरे प्रकरण का खुलासा कर आरोपीयो पर मामला दर्ज किया।



आरोपीयो की जल्द पकड़ेंगेः थाना प्रभारी

पार्वती थाना प्रभारी हरीसिंह परमार ने बताया की मंदिर में चोरी छिपे वीडियो बनाने के शक में ही विश्राम से मारपीट कर प्रताड़ति किया गया था। इसके बाद ही विश्राम ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया होगा, पुलिस ने मर्ग जाँच के बाद तीन आरोपीयो पर प्रकरण दर्ज कर लिया है जल्द गिरफ़्तारी करेंग।

पुलिस की कार्रवाई से मृतक विश्राम को न्याय मिलाः मंडलोई

मेवाड़ा राजपूत समाज के युवा संगठन अध्यक्ष राजेंद्र सिंह मंडलोई विश्राम मेवाड़ा में पुलिस द्वारा किये गए खुलासे और कार्यवाही का स्वागत करते हुए कहा की देर से सही लेकिन पुलिस की कार्यवाही स्वागत योग्य है और विश्राम की आत्मा को न्याय मिला है और यही सच्ची श्रद्धांजलि है। हम समाज जन जल्द ही परिवार को आर्थिक साहयता भी उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे।

30 दिवसीय ब्यूटीशियन प्रशिक्षण का किया समापन

रोजगार के खुलेंगे द्वार



हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

शासकीय महाविद्यालय जावर नगर जिला सीहोर में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना एवं के अंतर्गत संचालित 30 दिवसीय अल्पावधि स्वरोजगारमुखी ब्यूटीशियन प्रशिक्षण का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य रेंद्र कुमार शुक्ल द्वारा की गयी।

कार्यक्रम का मंच संचालन टीपीओ नीतू परवाल द्वारा किया गया, जबकि प्रशिक्षण की मुख्य अतिथि मीना प्रजापति रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं उपस्थितजनों के पौधा भेंट कर स्वागत के साथ किया गया। प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली छात्राओं अनुसिया, शिफा, जहीरा एवं प्रियंका ने प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त अनुभवों को साझा किया। छात्राओं ने बताया कि 30 दिनों के प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने ब्यूटी एवं मेकअप से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक कौशल सीखे, जिससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ा तथा भविष्य में स्वरोजगार के नए अवसरों के प्रति जागरूकता विकसित हुई। मुख्यअतिथि एवं प्रशिक्षक मीना प्रजापति ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी कार्य को रुचि और लगन के साथ सीखना तथा उसे नियमित रूप से अभ्यास में लाना सफलता की कुंजी है।

उन्होंने छात्राओं को प्रशिक्षण के दौरान सीखे कौशल का निरंतर अभ्यास करने तथा इन कौशलों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य नरेंद्र कुमार शुक्ल ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने, आत्मविश्वास बनाए रखने तथा जीवन में निरंतर बेहतर करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण युवाओं को रोजगार तलाशने के साथ-साथ स्वयं का रोजगार स्थापित करने में भी सक्षम बनाता है। समापन अवसर पर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाली छात्राओं को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को स्वल्पाहार प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ राकेश सोलंकी, डॉ लखन अटेरिया,डॉ भीमसेन मालवीय ,डॉ शर्मिला गांगले एवं प्रशिक्षणार्थी छात्राएं उपस्थित रहीं।

आरएसआई कप इंटर स्कूल प्रतियोगिता, ब्लू वर्ड ने रोमांचक मुकाबले में सेंट ऐनिस को 4 रन से हराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शहर के भोपाल नाके के समीपस्थ आवासीय खेलकूद परिसर में आरएसआई कप इंटर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता में बुधवार को एक रोमांचक मैच में ब्लू वर्ड स्कूल ने सेंट ऐनिस स्कूल टीम को 4 रन से हराया। इस मुकाबले में दर्शिल समाधिया ने 22 रन और गेंदबाजी में 1 विकेट का हरफनमौला पारी खेली। जिससे ब्लू वर्ड स्कूल ने जीत हासिल की। इस मौके पर खेल अधिकारी अता उल्ला खान, आरएसआई के कोच अक्षय दुबाने, अजय चंदेल, संस्कार मंच की ओर से धर्मेन्द्र माहेश्वरी आदि ने दर्शिल समाधिया को मैन आफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी ब्लू वर्ड की टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 108 रन बनाए थे। इसमें दर्शिल समाधिया ने 22 रन, अर्थव शर्मा ने 14 रन और अनंत ने 10 रन की पारी खेली। वहीं सेंट ऐनिस की ओर से गेंदबाजी करते हुए लोकेन्द्र धनगर ने 3 विकेट, आदित्य-अर्पित ने 1-1 विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट ऐनिस टीम 19.1 ओवर में 104 रन पर ढेर हो गई। इसमें लोकेन्द्र धनगर ने 33 रन, गौरव जायसवाल ने 19 रन और कुणाल गोलिया ने 12 रन की पारी खेली। इसके अलावा ब्लू वर्ड की ओर से गेंदबाजी करते हुए आनंद मेवाड़ा-राघव सिसौदिया ने 3-3 विकेट और दर्शिल-अनंत ने 1-1 विकेट हासिल किया। आरएसआई के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि दूसरे मैच में भैरुंदा टीम ने नवीन विद्या भारती स्कूल की टीम को 121 रन के विशाल अंतर से हराया। इस मैच में भैरुंदा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 172 रन बनाए थे।

वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी नवीन विद्या भारती स्कूल की टीम 12.5 ओवर में 51 रन ही बना सकी। भैरुंदा की ओर से पियुष ने 56 रन और सिद्धांत ने 35 रन की पारी खेली और गेंदबाजी में अर्सलान 2 विकेट, अभिमन्यु मीना 2 विकेट , रौनक शर्मा 2 विकेट और युवराज 1 विकेट हासिल किया।

बैठक में नगर विकास के 31 बिंदुओं पर लगी मुहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



नगरपालिका परिषद का साधारण सम्मेलन बैठक नपाध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा की अध्यक्षता में नपा के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में नगर के विकास, बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और विभिन्न निर्माण कार्यों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर बिंदुवार विचार-विमर्श कर निर्णय लिए गए। मुख्य रूप से नगर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और सौंदर्यीकरण से संबंधित कई प्रस्तावों पर चर्चा कर सर्वसम्मति से पारित किए गए। बैठक में मुख्य रूप से शहर के कायाकल्प, सड़कों के चौड़ीकरण, स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया।

सड़क, नाला निर्माण व चौड़ीकरण

मुख्यमंत्री की घोषणा के अंतर्गत भोपाल नाका से कन्नौद रोड में नगर सीमा तक सड़क एवं नाला चौड़ीकरण के कार्यों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसके अलावा इंदौर नाका से भोपाल नाका तक नाला निर्माण कार्य की न्यूनतम दरों को स्वीकृति दी गई।भव्य गीता भवन का निर्माण - नगरीय क्षेत्र अंतर्गत आम नागरिकों की सुविधा के लिए एक सर्वसुविधा युक्त गीता भवन बनाए जाने के प्रकरण पर विचार कर सहमति बनी। वहीं फिल्टर प्लांट से लेकर भोपाल नाका अस्पताल तक की पुरानी जर्जर पाइप लाइन को बदलने तथा राइजिंग मेन, फीडर मेन व डिस्ट्रीब्यूशन लाइन आदि के प्रतिस्थापन के संबंध में ठोस निर्णय लिया गया। इसी प्रकार बस स्टैंड परिसर में जर्जर यात्री प्रतीक्षालय सह दुकान का पुनः निर्माण करने, नए बस स्टैंड में कांक्रीट कार्य और वार्ड क्रमांक 14 कन्नौद रोड स्थित वाचनालय के पास सर्वसुविधाजनक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य की न्यूनतम दरों को अनुमोदित किया गया।

स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन

नगर को साफ-सुथरा रखने के लिए डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण तथा ट्रेंचिंग ग्राउंड पर एमआरएफ सेंटर तक कचरा परिवहन हेतु निविदा आमंत्रण के माध्यम से नई एजेंसी के चयन पर चर्चा हुई। नगर के प्रमुख महाराणा प्रताप चौक के भव्य विकास और सौंदर्यीकरण कार्य को लेकर परिषद में सहमति बनी। इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 11 में पशु चिकित्सालय के पीछे मीट मार्केट को सुव्यवस्थित रूप से स्थापित करने पर भी विचार किया गया।

पार्वती, पपनास नदी सौंदर्यीकरण

नमामि गंगे योजना अंतर्गत पार्वती नदी सौंदर्यीकरण योजना तथा पार्वती व पपनास नदी के पवित्र संगम स्थल पर घाट निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य की पुनरीक्षित तकनीकी स्वीकृति पर विचार किया गया। इसके साथ ही पार्वती नदी के अप-स्ट्रीम और डाउन-स्ट्रीम कार्यों की न्यूनतम दर स्वीकृति एवं स्थल आवश्यकतानुसार कार्य योजना को लेकर भी चर्चा हुई। वहीं पपनास नदी से भोपाल नाका तक सीसी रोड निर्माण, किलेरामा से भोपाल नाका तक आरसीसी नाला निर्माण कार्य की पुनरीक्षित तकनीकी स्वीकृति तथा इन्दौर नाका से भोपाल नाका तक नाला निर्माण कार्य में प्राप्त न्यूनतम दर स्वीकृति के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

स्वच्छता एवं पर्यावरण सुधार

एचपीआई घटक के लक्ष्यों की पूर्ति हेतु भू-आवंटन तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत निकाय अंतर्गत कचरा प्रबंधन की प्रभावी कार्यवाही पर निर्णय लिया गया। साथ ही विभिन्न वार्डों में खाली पड़े निजी एवं शासकीय प्लॉटों में जमा गंदगी व कचरा प्रबंधन पर सख्ती से कार्यवाही करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्राप्त हुई। वार्ड क्रमांक 15 इंदिरा कॉलोनी मुख्य रोड़ पर सुसज्जित वाटिका को सभी परिषद सदस्यों ने प्रेमनारायण वाटिका के नाम से नामांकित करने पर सहमति जताई।

शहरी विकास व अन्य निर्माण

रेस्ट हाउस के पास एक सर्वसुविधाजनक कॉम्प्लेक्स निर्माण की पुनरीक्षित तकनीकी स्वीकृति, विभिन्न वार्डों में क्षतिग्रस्त व नवीन रोड तथा नाली निर्माण कार्यों पर सहमति बनी। बैठक के प्रारंभ में नवनियुक्त एल्डरमेन डॉ. चंदा वोहरा, शिवलाल प्रजापति, अवनीश पिपलोदिया, राजीव मालवीय, तोषनारायण भूतिया, श्रीमती अलखनंदा सोनी का पुष्पमाला पहनाकर नपाध्यक्ष हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा ने स्वागत कर बधाई दी। परिषद की इस महत्वपूर्ण बैठक में नपाध्यक्ष हेमकुंवर मेवाड़ा, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, नपाउपाध्यक्ष श्रीमती सिद्दीका भूरू खां, सीएमओ विनोदकुमार प्रजापति, पार्षदगण डॉ. सलीम खान, कमलेश जैन, डॉ. राजकुमार मालवीय, राशिदा हुसैन, मेहमूद अंसारी, आरती सुभाष नामदेव, नूरजहां अतीक कुरैशी, तस्कीन बी शेख रईस, जाहिद गुड्डू, अनिता कालू भट्ट, तारा कटारिया, तेजसिंह राठौर, रवि शर्मा, लता तेजपाल मुकाती सहित नपा के अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद थे।

विधायक कार्यालय में हुई जनसुनवाई, सुनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



विधायक कार्यालय में हुई जनसुनवाई में ग्राम पगारा सिद्धिकगंज में रहने वाले 35 से 40 परिवार के लोगों को विद्युत आपूर्ति किए जाने हेतु नवीन ट्रांसफार्मर स्थापित कराने की मांग पगारा के रहवासियों ने विधायक कार्यालय पहुच कर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर से मिल कर की। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर जो की हर बुधवार को अपने कार्यालय में जन सुनवाई कार्यक्रम के तहत उपस्तिथ रहते है। बड़ी संख्या में क्षेत्र से नागरिक जनसुनवाई में पहुचे एवं अपनी अपनी पीड़ा से विधायक को अवगत कराते हुए आवेदन दिये। जनता से प्राप्त आवेदनों पर विधायक ने कहा की आपका जन सेवक होने के नाते आपकी समस्याओं को सुनना, हल करना मेरा धर्म है। आये आवेदनों को तत्काल सम्बंधित विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर ग्रामीणों की समस्याओं का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने कार्यालय आये सभी नागरिको को भरोसा दिया कि आपकी समस्याओं,मांगो का जल्द निराकरण होगा । जो मांग शासन स्तर की है उन्हें वे शासन तक पहुँचाऊँगा ।

नगरपालिका ने 30 कचरा संवेदनशील क्षेत्रों को किया कचरा मुक्त

बीमारियों से मुक्तिः दोबारा कचरा डाला तो भरना पड़ेगा जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा



नगर को स्वच्छ, सुंदर और कचरा मुक्त बनाने के लिए नगरपालिका द्वारा एक विशेष और सराहनीय अभियान की शुरुआत की गई है। नपाध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा के आदेश पर एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी विनोदकुमार प्रजापति के निर्देशानुसार नपा के स्वच्छता अमले ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नगर के विभिन्न वार्डों और क्षेत्रों में लगभग 30 कचरा संवेदनशील क्षैत्रों (गारबेज वल्नरेबल पॉइंट्स) का चयन किया।

चिन्हित स्थानों पर नागरिकों द्वारा लंबे समय से कचरा फेंका जा रहा था, जिससे वहां गंदगी और बीमारियां पनपने का खतरा बना हुआ था। स्वच्छता अमले ने इन सभी स्थानों की समुचित साफ-सफाई कर इन्हें पूरी तरह कचरा मुक्त कराया है। नगरपालिका द्वारा इन स्थलों पर दोबारा कचरा फेंकने पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्रतिबंधित करने के साथ ही नगर को खूबसूरत बनाने के लिए इन सभी 30 संवेदनशील क्षैत्र का सौंदर्यीकरण कार्य भी कराया गया, ताकि लोग वहां कचरा फेंकने के बजाय स्वच्छता के प्रति जागरूक हों। नगर को कचरा मुक्त करने के लिए नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि है हमारी परिषद नगर को स्वच्छता के मामले में शीर्ष पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। स्वच्छता अमला दिन-रात मेहनत कर शहर को साफ रख रहा है, लेकिन कोई भी शहर तब तक पूरी तरह स्वच्छ और सुंदर नहीं बन सकता, जब तक कि उसमें वहां के नागरिकों की भागीदारी न हो। आप सभी नगरवासियों से अपील है कि स्वच्छ आष्टा-सुंदर आष्टा बनाने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करें। निर्धारित स्थानों या कचरा गाड़ियों में ही कचरा डालें, सड़कों या प्रतिबंधित किए गए सौंदर्यीकृत स्थलों पर गंदगी बिल्कुल न फैलाएं।

सीएमओ विनोदकुमार प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि नगरपालिका शहर की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर बेहद गंभीर है। गत दिनों नगर के ऐसे 30 पॉइंट चिन्हित किए थे जहां लगातार कचरा फेंककर गंदगी की जा रही थी। अब इन स्थानों का कायाकल्प कर इन्हें सुंदर बनाने के लिए नपा तैयारी कर रही है। नागरिकों से अपेक्षा है कि वे इन स्थलों की सुंदरता बनाए रखने में नपा का सहयोग करें। अगर कोई भी नागरिक प्रतिबंधित किए गए इन स्थानों पर कचरा फेंकते हुए पाया जाता है, तो नगरपालिका नियमों के तहत सख्त दंडात्मक कार्रवाई करेगी। इस अभियान में स्वच्छता पर्यवेक्षक विनोद सांगते, राजकुमार अकेला, अनस खां, रैहान पठान सहित अन्य सफाई मित्रों का सराहनीय योगदान रहा।

विधायक ने मंडल अध्यक्षों और प्रभारियों की वर्चुअल बैठक ली



हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

जनसेवा को समर्पित यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के समर्पित जीवन की गौरवशाली यात्रा के अवसर पर 07 अक्टूबर को प्रातः 9 बजे सीहोर के आवासीय खेल ग्राउंड पर सेवा ज्योति कलश यात्रा एवं विकसित भारत संकल्प सभा मे आष्टा विधानसभा क्षेत्र के सभी आठो मंडलो से अधिक से अधिक कार्यकर्त्ता सीहोर पहुचेंगे। इसको लेकर आज विधायक श्री इंजीनियर ने सभी आठो मंडल अध्यक्षो,मंडल प्रभारियो सहित अन्य सभी अपेक्षित कार्यकर्ताओ की विधायक ने वर्चुअल बैठक ली। विधायक ने सभी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों से उक्त ऐतिहासिक यात्रा एवं सभा के सहभागी बनकर राष्ट्र सेवा के इस महायज्ञ में योगदान देंने की अपील की है ।